यूथिका *f.* jasminum auriculatum. Ur. 69.13.

यून् v. युवन्.

यूप *m.* columna sacrificalis. Ragh. 1.44. R. Schl. I. 13.33.

यूष् 1. *P.* (हिंसायाम् वधे) ferire, laedere, occidere. *V.* जूष्.

यूष *m. n.* jus pisinum; Wils. *«pease soup, pease porridge, the water in which pulse of various kinds has been boiled».* (Lat. *jûs, jûr-is* e *jûs-is.*)

येन *Adv. et Conj.* (*Instrum.* Relativi) 1) ubi. Dr. 8.33.56. 2) quo, quorsum. Su. 3.29. 3) ut. N. 15.6.

येष् 1. *A.* (प्रयत्ने *K.* यत्ने *V.*) anniti, operam dare; *cf.* यस्.

योक्त्र *n.* (r. युज् jungere s. त्र) vinculum, ligamen, *praecipue* lorum jugale.

योक्त्रय् (*Denominat.* a praec. s. अय्, v. gr. 585.) amplecti, बाहुभ्याम् brachiis. H. 4.56.

योग *m.* (r. युज् s. अ) 1) junctio, junctura, conjunctio. Sa. 3.1. 2) meditatio, cogitatio intima, *in qua quis plane defixus est.* Sa. 4.13. Bh. 6.12. 3) remedium. Br. 1.19. 4) negotium. N. 15.6.

योगिन् *m.* (a praec. s. इन्) qui in intimâ cogitatione yôga dictâ defixus est. Bh. 6.10.

योग्य (r. युज् s. य) aptus, conveniens. Dr. 1.7.

योजन *n.* (r. युज् s. अन) distantia aequans undecim milliaria anglica, *secundum alios* quatuor vel quinque milliaria anglica.

योजयितृ *m.* (r. युज् cl. 10. s. तृ) qui jungit, conjungit. Hit. 55.22.

योद्धृ *m.* (r. युध् s. तृ) pugnator. N. 12.51.

योध *m.* (r. युध् s. अ) pugnator, miles. Dr. 8.38.

योधिन् (r. युध् s. इन्) pugnans. A. 10.36.

योनि *m. f.* uterus, vulva, *transl.* origo.

योषणा *f.* (fortasse a r. यु jungere adjectâ sibilante, suff. अन in *fem.*; ita योषा suff. आ, योषित् suff. इत्; cf. lat. *uxor* pro *juxor, con-jux*) mulier, femina, *in dial. Vêd.* Lass. 99.8.

योषा *f.* (v. praec.) *id.* Am.

योषित् *f.* (v. योषणा) *id.* Su. 3.12. Ragh. 3.19.

यौगपद्येन *Adv.* (*Instrum.* ab obsoleto Substant. यौगपद्य a युगपद् s. य) i. q. युगपद् q. v. Dr. 1.4.

यौवन *n.* (a युवन् juvenis s. अ) juventus. Bh. 2.13.

यौवनस्थ (e praec. et स्थ qui est, stat) pubes. Sa. 1.22.

यौवराज्य *n.* (a युवराजन् q. v. suff. य) regni hereditas, regni successio. Sa. 7.12.

र

1. रंह् 1. *P.* (scribitur रह्, gr. 110[a].) currere, festinare. Bhatt. 14.38.: न ररंहा 'श्वकुञ्जरम्. — *Caus.* concitare. Rigv. 85.5.: वाजे अद्रिम् मरुतो रंहयन्तः «Marutes! cibi caussa nubem concitantes». (V. रंहस् et cf. रह्, रख्, रङ्ख्, 2. रण्, रङ्ग्, रङ्घ्, लङ्घ्.)

2. रंह् 10. *P.* *id.*

रंहस् *n.* (r. रंह् currere s. अस्) celeritas, velocitas.

रक् 10. *P.* राकयामि (आस्वादने *K.* स्वादे आपने *V.*) gustare; adipisci. *Cf.* रग्, रघ्, लक्, लग्, रस्.

रक्त v. रञ्ज्.

रक्तान्त (*BAH.* e रक्त ruber et अन्त finis, extremum) rubra extrema, rubros angulos *oculorum* habens. Su. 2.27.

रक्तश्मश्रुशिरोरुह (*BAH.* e रक्त ruber et *DVANDV.* श्मश्रुशिरोरुह - श्मश्रु + शिरोरुह - barba et capilli) rubram barbam et rubros capillos habens. H. 3.27.

रक्ष् 1. *P. interdum A.* praet. mltf. अरक्षिषम्. 1) servare. Br. 3.6.: रक्षन्ती जीवितम् पितुः; Man. 7.213.: आपदर्थन् धनं रक्षेद् दारान् रक्षेद् धनैर् अपि। आत्मानं सततं रक्षेद् धनैर् अपि दारैर् अपि; In. 5.47.: रक्ष्यो ऽहम् पुत्रवत् त्वया; Mah. 2.2186.: यशो रक्षस्व. 2) custodire, tueri. N. 3.10.: सुरक्षितानि वेश्मानि; Man. 7.105.: रक्षेद् विवरम् आत्मनः; 9.328.: न